प्रज्ञान

हिंदी पाठमाला

3

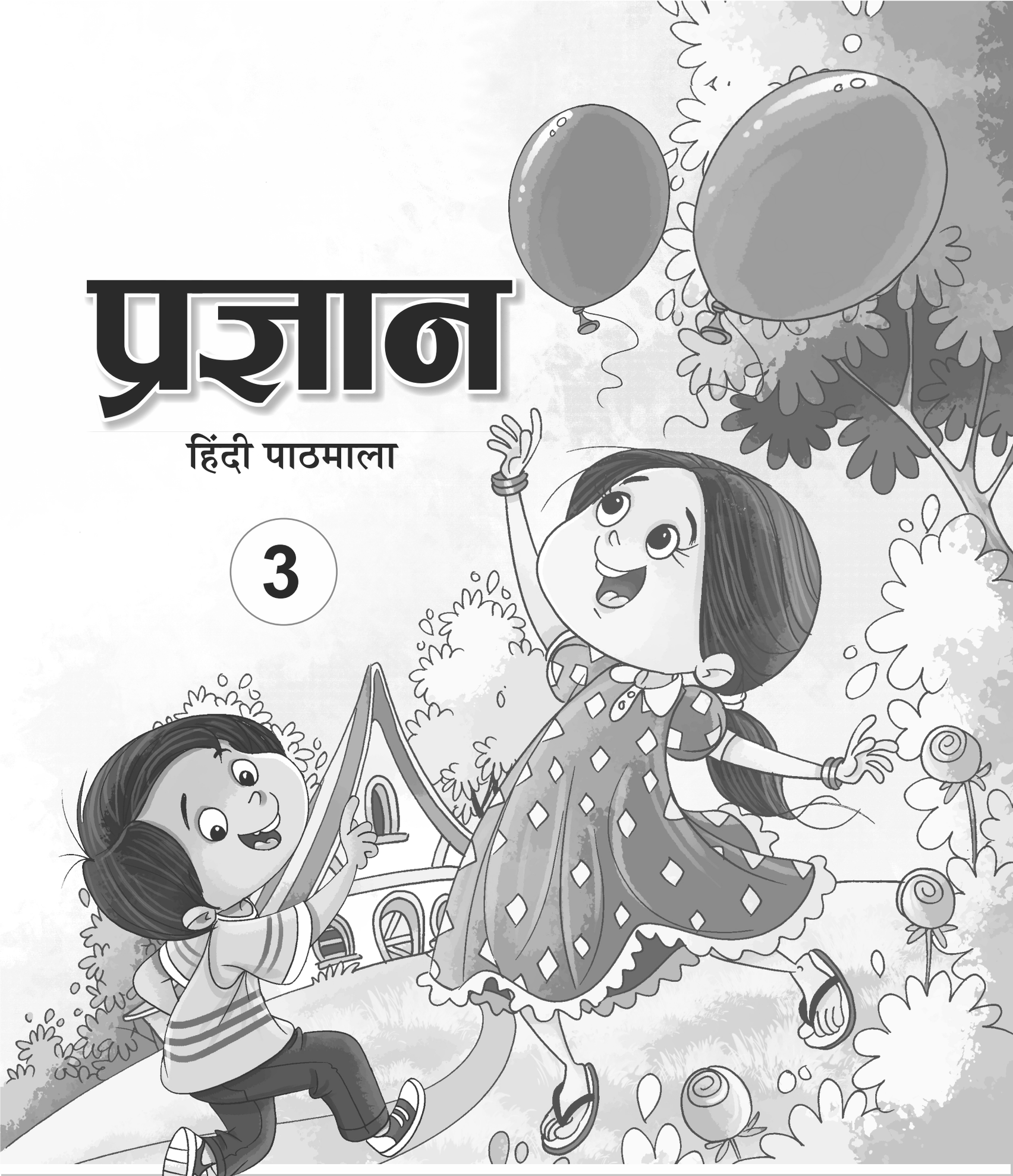

1. मन करता है

❒ Worksheet

1. (क) (iii) आसमान में (ख) (ii) घर में
(ग) (iii) तितली (घ) (ii) मीठा बोलना

2. (क) अकड़ (ख) मूँछ (ग) लाल

3. (क) शोर मचाऊँ → (iv) तारों पर अकड़ दिखाऊँ
(ख) चंदा बनकर → (i) मीठे-मीठे बोल सुनाऊँ
(ग) चर्खी लेकर → (ii) पतंग उड़ाऊँ
(घ) कोयल बनकर → (iii) चीं-चीं चूँ-चूँ

4. (क) कवि सूरज बनकर आसमान में दौड़ लगाना चाहता है।
(ख) कवि अपनी मूँछ बढ़ाना चाहता है।
(ग) लेखक बाबा बनकर घर में धौंस जमाना चाहता है।
(घ) कवि पीली-लाल रंग की पतंग उड़ाना चाहता है।

5. (क) घर में मेरा बड़ा भाई मुझ पर धौंस जमाता है। इसके पीछे कारण बस यही है कि वह मुझसे बड़ा है। स्कूल में मॉनिटर धौंस जमाता है। वह सभी विद्यार्थियों पर अपना वर्चस्व दिखाने के लिए धौंस जमाता है।
(ख) चिड़िया का उड़ना मुझे बहुत भाता है। जब भी उसे ऊँचे और खुले आकाश में बिना किसी रोक-टोक के उड़ते देखता हूँ तो मेरा मन भी ऐसा करने को होता है। तब सोचता हूँ काश! कुछ देर के लिए ही सही चिड़िया बन जाता।

6. (क) यह विशेषण है।
(ख) अधिकरण कारक है।

7. (क) इससे सबसे मधुर सम्बन्ध बने रहते हैं।
(ख) विनम्रता से व्यक्ति सबका प्रिय बनकर हृदय जीत लेता है।

8. चिड़ियों की, ट्रैफिक की, लोगों के बातचीत की, बच्चों के शोर मचाने की, घरों से प्रेशर कूकर की आती सीटी की आदि।

9.

नाम		**मन करता है**
रवि	—	चाँद पर जाने का
नेहा	—	शिक्षक बनकर बच्चों को पढ़ाने का
प्रिया	—	तोता से बातें करने का
बड़े भाई	—	अकेले ट्रेन में यात्रा करने का।

10. स्वयं कीजिए।

11. स्वयं कीजिए।

❑

2. सबसे अच्छा पेड़

❒ Worksheet

1. (क) (ii) आम (ख) (i) केला (ग) (iii) नारियल
(घ) (iii) तीसरे भाई (ङ) (i) नीम

2. (i) केले के पत्ते (ii) केले के पत्ते
(iii) आम के पत्ते (iv) टेसू के फूल के पत्ते
(v) नारियल के पत्ते

3.

(क) कच्चे आम	(i) से काला बादल गुजरा
(ख) आसमान	(ii) की सब्जी भी बनाएँगे
(ग) केले	(iii) का तेल साबुन और कितनी चीजें
(घ) गोले	(iv) से अचार बनाएँगे

4. (क) तीसरा भाई नारियल की जटाओं को काटकर मोटी डोरियाँ बना सकता था।
(ख) तीनों भाई तीन नए घर बनाने की तलाश में निकल पड़े।
(ग) चलते-चलते उन्हें केले के कुछ पेड़ मिले। तभी आसमान से एक काला बादल गुजरा।
(घ) पहले भाई को आम के पेड़ के नीचे की जगह पसंद आयी उसने वहीं झोंपड़ी बनायी।

5. (क) केले, आम, अन्नानास, अनार और संतरे आदि को छिलके के साथ नहीं खा सकते।
(ख) केले, सेब और अमरूद हर मौसम में मिलते हैं।
(ग) दातुन—इससे दाँत साफ करते हैं। छलनी—इससे चाय छानते हैं।
मथनी—इससे दही मथा जाता है।
(घ) रस्सी—नारियल से
रबड़—रबड़ से
गुब्बारा—प्लास्टिक से
चटाई—जूट/कपास के धागे से
छाज़—बाँस से
(ङ)

	नारियल	**आम**	**केला**
सबसे घना		(✓)	
सबसे ऊँचा	(✓)		
चढ़ने में सबसे आसान		(✓)	
सबसे मोटा तना		(✓)	
सबसे बड़े पत्ते			(✓)
सबसे मीठा फल		(✓)	
फल खाना सबसे आसान			(✓)

(च)

गुठली वाले	**बिना गुठली वाले**
आम	अँगूर
लीची	पपीता
जामुन	केला
बेर	सेब

6. (क) भूतकाल है।
(ख) सम्प्रदान कारक
(ग) ठंडा-मीठा

7. (क) इससे एक-दूसरे के हित सरलता से सधते हैं और उनकी शक्ति बनी रहती है।
(ख) पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए ऑक्सीजन देते हैं और कार्बन डाइ-ऑक्साइड सोखते हैं। वे हमें खाद्यान्न, सब्जी, फल, औषधियाँ, लकड़ियाँ और अन्य उत्पाद भी देते हैं। ये पर्यावरण संरक्षण के लिए भी आवश्यक हैं।

8. स्वयं कीजिए।

9. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iv) (घ) (i)

❑

3. शेखीबाज मक्खी

❑ Worksheet

1. (क) (ii) दो-तीन दिन से (✓) (ख) (iii) मक्खा (✓)
(ग) (ii) शेर (✓) (घ) (ii) हाथी ने(✓)
(ङ) (ii) मकड़ी, मक्खी को (✓) (च) (iii) मक्खी (✓)

2. (क) मकड़ी (ख) प्रणाम (ग) लाल (घ) बढ़
(ङ) शेर

3.
(क) भिन-भिन करने लगी → (ii) मक्खी
(ख) जान से मार डालूँगा → (i) शेर
(ग) धन्य हो मक्खी रानी → (iii) हाथी
(घ) पागल मक्खी से कौन बहस करे → (iv) लोमड़ी

4. (क) शेर अपने वार से खुद घायल हो गया।
(ख) मक्खी ने हाथी से कहा कि मुझे प्रणाम करो।
(ग) मक्खी ने कहा, जंगल में अब मेरा राज चलेगा।
(घ) लोमड़ी मंद-मंद मुस्कराने लगी।
(ङ) मक्खी मकड़ी के जाल में फँस गई।

5. (क) मक्खी बहन, अब मुझे छोड़ो। मैं हारा और तुम जीतीं, बस।

(ख) धन्य हो मक्खी रानी, धन्य हो। धन्य है आपका जीवन और धन्य है आपके माता-पिता। लेकिन मक्खी रानी, वह जो मकड़ी दिखायी दे रही है वह आपको गाली दे रही थी।

(ग) मक्खी लोमड़ी की मीठी बातों में आ गई और जैसे ही मकड़ी की तरफ झपटी उसके जाले में फँस गई।

(घ) मक्खी का अहंकार उसकी हार का कारण बना।

6. (क) पास → (ii) दूर
(ख) मुश्किल → (i) आसान
(ग) राजा → (iii) नीचे
(घ) पागल → (iv) रंक
(ङ) ऊपर → (v) समझदार

7. (क) मक्खी **तो** उड़ गई **पर** कान जरा छिल गया।

(ख) विशालकाय हाथी को **भी** हरा दिया है।

(ग) जंगल में **अब** मेरा राज चलेगा।

(घ) यह सुनकर मक्खी गुस्से से लाल **हो** उठी।

8. (क) ऊपर लाइब्रेरी है।

(ख) मेरे घर के पास डेयरी है।

(ग) हमें अपने से बड़ों को प्रणाम करना चाहिए।

(घ) जंगल का राजा शेर होता है।

9. (क) घमंड करने से आदमी के सोचने समझने की शक्ति समाप्त हो जाती है। लोग उससे नाराज हो जाते हैं और उसकी प्रगति रुक जाती है।

(ख) शक्ति का दुरुपयोग करने से व्यक्ति के दुश्मन बढ़ जाते हैं और अन्ततः पतन का कारण बनता है।

10. नहाकर तैयार होने तथा दूध पीने का काम चुटकी बजाते ही कर लेते हैं।

11. स्वयं कीजिए।

12. मैं एक शेखीबाज को जानता हूँ। वह मेरे घर के पास रहता है। उसका नाम गोलू है। वह पढ़ने में बहुत तेज है। अतः हर समय अपनी तेजी के बारे में शेखी बघारता रहता है। ❑

4. कक्कू

❑ Worksheet

1. (क) (iii) कक्कू (ख) (ii) कोयल
(ग) (iii) कक्कू (घ) (ii) झगड़ालू

2. (क) आए (ख) गाता, नाचे (ग) भक्कू

3. (क) ठिठोली करना → (iii) हँसी-मजाक करना
(ख) मिसरी जैसी मीठी बोली → (iv) कोयल
(ग) मुँह जो सदा फुलाए → (i) गुस्सा करना
(घ) भड़कना → (ii) कक्कू

4. छात्र स्वयं कीजिए।

5. (क) गप्पू—वह बकबक करने वाला होगा।
भोली—वह बहुत सीधी-सादी होगी।
छुटकी—वह घर में सबसे छोटी होगी।
गोलू—वह गोल मटोल होगा।
(ख) कक्कू कोयल जैसा इसलिए नहीं है क्योंकि वह दिनभर रोता रहता है, हमेशा मुँह फुलाए रहता है, कोयल की तरह मीठे बोल नहीं बोलता बल्कि झगड़ा करता रहता है। जरा-जरा सी बात पर भड़क उठता है।
(ग) स्वयं कीजिए।

6. (क) कोयल की बोली की तुलना मिसरी से की गई है।
(ख) गुस्सा करना।
(ग) अधिकरण कारक है।

7. (क) मीठा बोलने से सभी प्रसन्न रहते हैं, जीवन में शत्रु नहीं बनते।
(ख) इससे शरीर पर कुप्रभाव पड़ता है, सम्बन्ध खराब होते हैं और व्यक्ति अलोकप्रिय हो जाता है।

8. स्वयं कीजिए।

9. यूँ तो मैं कक्कू जैसा बिल्कुल नहीं हूँ। फिर भी दोस्त मुझे चिढ़ाते रहते हैं। लेकिन मुझे बुरा नहीं लगता; क्योंकि मुझे पता है कि वे मुझे सिर्फ ऊपर-ऊपर चिढ़ाते हैं। अंदर से वे मुझे बहुत प्यार करते हैं। दूसरे बच्चों के सामने मेरी बड़ाई करते हैं। इसके आधार पर कक्षा में चर्चा स्वयं कीजिए।

❑

5. टिपटिपवा

❑ **Worksheet**

1. (क) (ii) पंडित से (ख) (iii) बुढ़िया की
(ग) (ii) घास में (घ) (iii) बाघ

2. (क) बारिश (ख) कचूमर (ग) जानवर (घ) धोबी

3. (क) पानी उलीचते उलीचते → (iv) पंडित जी थक गए थे
(ख) धोबी → (i) बारिश में सारा दिन भीगता रहा
(ग) टिपटिपवा → (ii) कौन सी बला है
(घ) दादी → (iii) रोज तरह-तरह की कहानियाँ सुनाती

4. (क) बच्चा दादी से कहानी सुनने के लिए मचल रहा था।
(ख) बाघ टिपटिपवा से घबराया हुआ था।
(ग) पंडित जी बारिश का पानी निकालते-निकालते थक गए।
(घ) धोबी का गधा सुबह से गायब था।
(ङ) धोबी की पत्नी ने गधे के बारे में पंडित जी से पूछने के लिए कहा।

5. (क) बुढ़िया—झोंपड़ी में जगह-जगह टपकते हुए वर्षा के पानी से।
बाघ—मूसलाधार बारिश और टिपटिपवा से।
धोबी—गधे के गायब होने से।
पंडितजी—घर में जमा बारिश का पानी उलीचने से।
(ख) हम कहानी सुनने, मेले जाने, आइसक्रीम खाने, दादी की गोदी में सोने के लिए, दादाजी से साहसपूर्ण कहानियाँ सुनने के लिए मचलते हैं।
(ग) कहानी में टिपटिपवा कोई आदमी या जानवर नहीं था बल्कि बुढ़िया की झोंपड़ी में जगह-जगह टपकता हुआ वर्षा का पानी था। हम धोबी और उसके मोटे लट्ठे को टिपटिपवा कहेंगे।
(घ) खर्र-खर्र—सोने में जब तेज साँस ली जाती है।
भिन्न-भिन्न—मक्खी जब कान के पास मंडराती है।
ठक-ठक—जब कोई दरवाजा खटखटाता है।
चर्र-चर्र—दरवाजा खोलने पर, जो आवाज आती है।
भक-भक—आग की लपटें जब तेज हो जाती हैं।
तड़-तड़—किसी के गाल पर थप्पड़ लगाने पर।
(ङ) गाय, भैंस, बकरी, घोड़ा आदि खूँटे से बाँधे जाते हैं।
(च) धोबी-कपड़े धोना, पंडित जी-पंडिताई

6. (क) हाँ बेटा, न शेर का डर है, न बाघ का, डर तो टिपटिपवा का है।
(ख) (i) बाघ वहाँ से घबराकर भाग गया।
(ii) गाँव वाले हैरान रह गए।
(iii) बाघ बिना परेशान किये डरा हुआ धोबी के पीछे-पीछे चल दिया।
(ग) ये प्रश्नवाचक वाक्य है।
(घ) करण कारक है।
(ङ) वाक्य में वर्तमान काल है।
(च) उसका

7. (क) विनम्रता से व्यक्ति सब की कृपा और आशीष का पात्र बना रहता है।
(ख) सभी का घर पक्का होना चाहिए जो बारिश में न टपके और न ढहे।

8. स्वयं कीजिए।

9. स्वयं कीजिए।

❑

6. बंदर-बाँट

❑ Worksheet

1. (क) (iii) बंदर (ख) (ii) बंदर (ग) (i) मेज पर

2. (क) हल्का (ख) थक (ग) तराजू (घ) झपटी

3. (क) बंदर → (ii) टुकड़े भी कितने खोटे हैं
(ख) काली बिल्ली → (i) बचा-खुचा जो उसको दे दें
(ग) सफेद बिल्ली → (iv) आप थक गये, अब न उठाएँ और तराजू
(घ) दोनों बिल्लियाँ → (iii) कहीं न कोई। कोई न कहीं

4. (क) क्योंकि बंदर रोटी का बँटवारा करता है। बराबर बाँटने के चक्कर में वह पूरी रोटी खा जाता है। बिल्लियाँ देखती रह जाती हैं।
(ख) आपसी संघर्ष का नतीजा।
(ग) बंदर ने रोटी को बराबर तोड़ने के लिए तराजू का प्रयोग किया।
(घ) सब्जी, रोटी, खीर, पकवान और शाही पनीर आदि की महक अच्छी लगती है।
(ङ) रोटी दोनों बिल्लियों के बीच झगड़े की जड़ थी। दोनों का कहना था—रोटी मेरी है।

5. (क) मैं अक्सर अपने भाई-बहनों से झगड़ता हूँ। झगड़ते समय मैं उनके बाल पकड़ लेता हूँ। उनकी चीजें फेंकने लगता हूँ।
(ख) हमारे झगड़े का फैसला पिताजी करते हैं।
(ग) रोटी किसी भी हालत में किसी एक बिल्ली को नहीं मिलनी चाहिए थी। उस पर दोनों का बराबर हक था। अत: दोनों को आधी-आधी मिलनी चाहिए थी।
(घ) सब्जी, फल और खाद्यान्न को तौलकर खरीदा जाता है।
(ङ) उनका झगड़ा देखकर एक बंदर वहाँ आ गया। उसने रोटी को दो हिस्सों में तोड़कर एक तराजू के दोनों पलड़ों पर रख दिया। फिर उसने देखा उनमें से एक पलड़ा नीचे हो गया और दूसरा ऊपर। पलड़ा बराबर करने के चक्कर में वह रोटी तोड़-तोड़कर खाने लगा। थोड़ी देर में ही वह पूरी रोटी खा गया। रोटी खत्म होते ही दोनों बिल्लियों के बीच का झगड़ा भी खत्म हो गया।

6. (क) (i) मैं भी उसी खोज में निकली।
(ii) वो रोटी मेज पर रखी है।

(iii) उस तक जाने में डरती थी।
(iv) मैं तुझे ले जाने न दूँगी।

(ख) वर्तमान काल है।

(ग) ये विशेषण हैं।

(घ) कर्म कारक है।

7. (क) आपस में लड़ने का फायदा दूसरा उठाता है जैसा कि बंदर ने किया।

(ख) चालाक लोग अपना स्वार्थ पूरा करके लोगों को मूर्ख बनाते हैं। आपसी प्रेम से हमारा हित सुरक्षित रहता है।

8. स्वयं कीजिए।

9. स्वयं कीजिए।

माथापच्ची

ऊपर से बाँयी ओर से तीसरी कट्टो बिल्ली है।

❑

7. हमसे सब कहते

❑ Worksheet

1. (क) (iii) कोई नहीं (ख) (iii) अम्मा (ग) (i) भैया (घ) (ii) पापा

2. (क) सूर्य (ख) हवा (ग) हम

3. (क) पापा → (iv) कहते बाहर खेलो

(ख) भैया → (i) कहते यहाँ न आओ

(ग) अम्मा → (ii) खेल-खिलौने मत फैलाओ

(घ) कोई नहीं → (iii) कहता चाँद से उठा चाँदनी को ले जाओ

4. (क) पापा कहते हैं खबरदार जो जो अंदर आये।

(ख) हम पर ही सबका जोर।

(ग) हम पर ही सबका बस चलता है।

(घ) अम्मा कहती हैं घर-घर में खेल-खिलौने मत फैलाओ।

(ङ) चाँद से कोई यह नहीं कहता कि उठा चाँदनी को ले जाओ।

5. (क) लोगों को सूरज, चाँद, हवा और बादल से कोई परेशानी नहीं है।

(ख) इनमें सबसे ज्यादा ताकतवर सूरज है। चाँद का अपना कोई प्रकाश नहीं होता। वह सूरज के प्रकाश से चमकता है। बादल सूरज की रोशनी को हमेशा के लिए कभी नहीं ढकता बल्कि कुछ पलों के लिए ढकता है। जैसे ही बादल छँटता है, सूरज की रोशनी फैल जाती है।

(ग) भैया, मम्मी, पापा, बाबा, दादी और बुआ सभी टोकते हैं।

(घ) टी०वी०, मोबाइल देखने, होमवर्क न करने, शोर मचाने और घर में खेलने पर अकसर टोका जाता है।

(ङ)

करो	**मत करो**
रोज सुबह उठो।	दीवार पर पेंसिल मत चलाओ।
समय पर नाश्ता करो।	जोर से मत बोलो।
बिस्तर ठीक करो।	कॉपी-किताब बिस्तर पर मत फैलाओ।
बड़ों का कहना मानो।	किसी से झगड़ा मत करो।

6. (क)

अक्षर	**जानवर या पक्षी**	**खाने-पीने का सामान**	**खेल का नाम या सामान**
ब	बकरी	बेर	बल्ला
म	मगर	मसाला	मार-कुटाई
क	कबूतर	ककड़ी	कंकड़ी, कबड्डी
ल	लोमड़ी	लड्डू	लट्टू
प	पेड़ा	पपीता	पतंग
ग	गाय	गुलाब जामुन	गिल्ली
श	शेर	शक्कर	शतरंज

(ख)

व्यक्ति	**वस्तु**	**स्थान**
भैया	सूर्य	अंदर
अम्मा	धूप	यहाँ
पापा	चाँद	घर-भर
	चाँदनी	बाहर
	हवा	
	बादल	
	जलधार	

(ग) करण कारक है।

(घ) भूतकाल है।

7. (क) बड़े जो कहते हैं अपने अनुभव से हमारे हित के लिए कहते हैं।

(ख) आज्ञाकारी बनने से अनुशासन आता है। इससे हम बड़ों के कृपापात्र बने रहते हैं।

8. स्वयं कीजिए।

9. स्वयं कीजिए। ❑

8. कब आऊँ

❑ **Worksheet**

1. (क) (iii) रंगाई की (ख) (ii) सेठ

(ग) (iii) कोई नहीं (घ) (i) सप्ताह के किसी भी दिन नहीं

2. (क) बिल्कुल (ख) इरादा (ग) प्रतिभा (घ) बोली
(ङ) जलन (च) विशेष

3. (क) अवंती की प्रशंसा → (iii) एक टुकड़ा लेकर पहुँचा।
(ख) सेठ कपड़े का → (iv) सुनकर सेठ को ईर्ष्या महसूस होने लगी।
(ग) अवंती ने → (i) सेठ का मंसूबा भाप लिया।
(घ) सेठ समझ गया → (ii) उसकी चाल उल्टी पड़ चुकी है।

4. (क) अवंती ने सेठ को जवाब दिया कि आप कपड़ा लेने सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को छोड़कर किसी भी दिन आ सकते हैं।
(ख) सेठ ने अवंती की रंगाई की प्रशंसा की।
(ग) किसी भी रंग में कपड़ा रंगने को नहीं कहा; क्योंकि वह तो सिर्फ उसे दुखी करना चाहता था।
(घ) अवंती को कपड़ा रंगकर देना नहीं था।
(ङ) अवंती ने सेठ को किसी भी दिन कपड़ा लेने के लिए नहीं बुलाया।

5. (क) अवंती ने सेठ जी से पूछा कि वे कपड़े को किस रंग में रंगवाना चाहते हैं?
(ख) आप कपड़ा लेने सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को छोड़कर किसी भी दिन आ सकते हैं।

6. (क) (i) अपनी बुराई दिखायी न देना
(ii) प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या आवश्यकता है
(iii) जो मित्र होकर धोखा दे या छिपा शत्रु
(iv) एकता में शक्ति होना

(ख)

रंग	**रंगाई**
साफ	सफाई
चढ़	चढ़ाई
बुन	बुनाई

(ग) खिल-खील चिल-चील में-मैं
देन-दैन सेर-सैर डिश-डैश
इसी प्रकार और छात्र स्वयं बनाइए।

(घ) (i) पत्ती भी (ii) एक पका (iii) ठंडी
(iv) बेकार की

(ङ) प्रशंसा-तारीफ बिल्कुल-कतई
अवश्य-जरूर ईर्ष्या-जलन
बुलंद-ऊँची

(च) भविष्यकाल

(छ) तुम्हारी

7. (क) ईर्ष्या करने से हमें अपनी कमी की अनुभूति होती है।
(ख) हमारी प्रगति रुक जाती है, हमारा ध्यान दूसरी ओर लग जाता है, हम दूसरे के समक्ष असहाय अनुभव करते हैं और अपनी निगाह में गिर जाते हैं।
8. स्वयं कीजिए।
9. स्वयं बनाइए।

❑

9. क्योंजीमल और कैसे-कैसलिया

❑ Worksheet

1. (क) (ii) बाजार (ख) (iii) शिवदास ने
(ग) (iii) गुरुजी (घ) (ii) गुरुजी

2. (क) नमक (ख) आटा (ग) पानी (घ) आग

3.
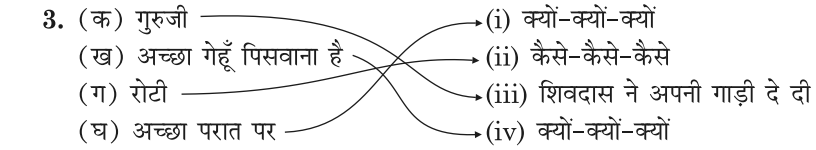

4. (क) गुरुजी को गेहूँ पिसवाना था।
(ख) रास्ते में गुरुजी को क्योंजीमल और कैसे-कैसलिया मिले।
(ग) क्योंजीमल और कैसे-कैसलिया गुरुजी से प्रत्येक बात पर क्यों और कैसे सवाल कर रहे थे।
(घ) गुरुजी थैली में गेहूँ लेकर जा रहे थे।

5. (क) गुरुजी गेहूँ के आटे की रोटी खाते थे। गेहूँ के अलावा ज्वार, बाजरा और मक्का के आटे की रोटी बनती है।
(ख) गेहूँ को पिसवाएँगे, आटे को सानेंगे, चकले पर बेलेंगे, तवे पर पकाएँगे, आग पर फुलाएँगे, गरम-गरम खाएँगे।
(ग) मक्का का आटा 40 रुपये किलो, बाजरे का आटा 50 रुपये किलो और चने का आटा 80 रुपये किलो है।

6. (क) अधिकरण कारक है।
(ख) भविष्य काल होगा।
(ग) कर्त्ता कारक होगा।
(घ) तुम, मेरी

7. (क) गुरुजनों से हमें शिक्षा और संस्कार मिलते हैं। इससे जीवन में हम जीविका और सम्मान प्राप्त करते हैं। हमें उनका सम्मान करते हुए ज्यादा प्रश्न नहीं करने चाहिए।

(ख) ज्यादा बोलने से गलत बोलने की सम्भावना अधिक हो जाती है इससे दूसरे व्यक्ति पर हमारा बुरा प्रभाव पड़ता है। क्या, क्यूँ, क्यों की भाषा से दूसरा व्यक्ति अपमान महसूस करता है और खीझ जाता है। इससे हमारे सम्बन्ध उससे खराब हो जाते हैं।

8. (क) गेहूँ, चना, बाजरा, मक्का, ज्वार, चावल आदि।
(ख) आटा-चक्की बिजली से चलती है।
(ग) ये हमारे ऊपर निर्भर है।
(घ) स्वयं कीजिए।

9.

सामान का नाम	**प्रयोग**
कप प्लेट	चाय पीने हेतु
कड़ाही	सब्जी बनाने हेतु
चकला-बेलन	रोटी बेलने में
छलनी	चाय छानने हेतु

❑

10. मिर्च का मजा

❑ Worksheet

1. (क) (ii) लाल मिर्च (ख) (ii) चार आने
(ग) (iii) मुँह जल गया (घ) (iii) काबुलीवाले ने

2. (क) लाल-लाल पतली छीमी हो चीज अगर खाने की,
तो हमको दो तोल छीमियाँ फकत चार आने की।
(ख) पर, काबुल का मर्द लाल छीमी से क्यों मुख मोड़े
खर्च हुआ जिस पर उसको क्यों बिना सधाए छोड़े।
(ग) मगर, मिर्च ने तुरंत जीभ पर अपना जोर दिखाया,
मुँह सारा जल उठा और आँखों में जल भर आया।
(घ) सोचा, क्या अच्छे दाने हैं, खाने से बल होगा,
यह जरूर इस मौसिम का कोई मीठा फल होगा।

3.

(क) लाल मिर्च को	(i) बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझाकर
(ख) कुँजड़िन से बोला	(ii) सेर भर लाल मिर्च से भर दी उसकी झोली
(ग) और	(iii) लाल छीमी से क्यों मुख मोड़े
(घ) काबुल का मर्द	(iv) देख गया भर उसके मुँह में पानी

4. (क) लाल मिर्च देखकर काबुलीवाले के मुँह में पानी आ गया।
(ख) काबुलीवाला नदी के किनारे जाकर मिर्च खाने लगा।
(ग) मिर्च लाल-लाल सुन्दर दिख रही थी। इसलिए काबुलीवाले ने उसको स्वादिष्ट समझ लिया।

(घ) कुँजड़िन ने काबुलीवाले को एक सेर मिर्च दी।
(ङ) काबुलीवाले का मुँह सारा जल उठा और आँखों में पानी भर आया।

5. (क) राजमा, खीर, रसमलाई, काला जामुन इत्यादि देखकर मुँह में पानी भर आता है।
(ख) एक सिपाही ने काबुलीवाले को मिर्च खाते हुए टोका; क्योंकि इतनी मिर्च खाना नुकसानदेह है।

6. (क) (i) हार—उसकी **हार** के बावजूद मैंने उसे **हार** पहनाया।
(ii) आना—यहाँ **आने** में मात्र चार **आने** खर्च हुए।
(iii) उत्तर—**उत्तर** देते समय उसका मुँह **उत्तर** की तरफ था।
(iv) फल—**फल** खाने का **फल** अच्छा होता है।
(v) मगर—**मगर** पानी में है **मगर** मुझे कुछ नहीं करेगा।
(vi) पर—पक्षी के **पर** कटे हैं **पर** वह सक्रिय है।
(ख) (i) हमको फकत चार आने की छीमियाँ तोल दो।
(ii) वह मिर्च की छीमी को सिसियाते खाता ही रहा।
(iii) सिपाही, तू अपनी राह पर जा, मैं अपना पैसा खाता हूँ।
(iv) लोग एक काबुलीवाले की कहानी कहते हैं।
(ग) लाल विशेषण और मिर्च संज्ञा है।
(घ) और
(ङ) जी ललचाना।

7. (क) यह सलाह हमारा अहित रोककर हित कर सकती है।
(ख) इससे हमें चीज सही और उचित दाम पर मिलेगी।

8. (क) स्वयं कीजिए।
(ख) स्वयं कीजिए।

❑

11. मीरा बहन और बाघ

❑ Worksheet

1. (क) (ii) इंग्लैण्ड (ख) (ii) गेंवली (ग) (i) बाघ ने
(घ) (ii) मीरा बहन ने (ङ) (iii) बाघ को

2. (क) शहर (ख) नदियाँ
(ग) वृक्ष (घ) अनाज या खाद्यान्न

3. (क) पहाड़ी गाँव में (i) गोपाल आश्रम की स्थापना की।
(ख) पिंजड़े में (ii) जन्म इंग्लैण्ड में हुआ था
(ग) मीरा बहन का (iii) बाघ नहीं था
(घ) गेंवली में (iv) अक्सर बाघ का डर बना रहता है

4. (क) गाँव में बाघ के आने से गाँव के लोग काफी चिंतित हो गए। अपनी चिंता का कारण बताने और बाघ के खतरे की बात बताने लोग गोपाल आश्रम में मीरा बहन के पास पहुँचे।

(ख) गाँव के लोगों ने बाघ को पिंजड़े में कैद करने का निश्चय किया।

(ग) लोगों ने सोचा बाघ पिंजड़े में फँस गया होगा।

(घ) मीरा बहन पिंजड़े का दरवाजा बंद कर आयी।

5. (क) इनमें कोई भी चीज अपने आप में खतरनाक नहीं है। अगर इनका इस्तेमाल सावधानी से करें तो हमारा कुछ नुकसान नहीं होगा। लेकिन हमारी तरफ से थोड़ी-सी असावधानी हुई तो हमारा बहुत नुकसान हो सकता है। उदाहरण के तौर पर बिजली को लें। थोड़ी-सी असावधानी होने पर हमें करंट लग सकता है।

(ख) (चीता) (साँप) (बिच्छू) (भालू)

जब हम उनके समीप जाते हैं और इन्हें छेड़ते हैं तो वे खतरनाक हो सकते हैं।

6. (क) ये सभी चित्र महात्मा गाँधी से जुड़े हैं।

(ख)

भैंस	मिमियाना
घोड़ा	चिंघाड़ना
हाथी	रँभाना
बकरी	हिनहिनाना

शेर	रेंकना
गधा	रँभाना
गाय	भौंकना
कुत्ता	दहाड़ना

(ग) (i) धूप में बैठकर ढोकला खाया।

(ii) पुतुल ने काम करने से मना कर दिया।

(iii) लता ने सब को मूँगफली खिलायी।

(iv) पहाड़ी गाँवों में बाघ का डर बना रहता है।

(घ) भूतकाल।

(ङ) कर्त्ता कारक एवं कर्म कारक हैं।

7. (क) किसी आजाद पशु या पक्षी को बंद करके रखना गलत है; क्योंकि हमारी तरह उन्हें भी स्वतंत्र रहने का अधिकार है।

(ख) धोखा विश्वास को त्यागकर दिया जाता है जिससे व्यक्ति का दूसरे लोगों पर भी भरोसा नहीं रहता।

8. चूहे का पिंजड़ा जालीदार होता है। उसमें एक दरवाजा होता है जिसका रास्ता एक टीन की पत्ती से बना होता है। यह तार के लीवर से नियंत्रित होता है। लीवर का ऊपरी हिस्सा पिंजड़े की रोटी से जुड़ा होता है। चूहे रोटी के लालच में जैसे ही दरवाजे की पत्ती पर आकर उसकी (रोटी की) तार को हिलाता है, दरवाजा बंद हो जाता है। दरवाजा उसके प्रयास से नहीं खुलता और वह कैद हो जाता है।

9. कक्कू की मदद और बिल्ली को पकड़ने के लिए हमें एक पिंजड़ा बनाना पड़ेगा। इस पिंजड़े में कटोरी भर कर दूध रखेंगे। उस पिंजड़े को ऐसा बनाया जाएगा कि बिल्ली के अंदर घुसते ही दरवाजा झटके से बंद हो जाए और बिल्ली पिंजड़े से न निकल पाए।

❑

12. जब मुझको साँप ने काटा

❑ Worksheet

1. (क) (iii) साँप (ख) (i) नारियल (ग) (ii) बर्र
(घ) (ii) बूढ़े को (ङ) (iii) नीला

2. (क) रेंग (ख) नानी (ग) गायब (घ) मंत्र
(ङ) बर्तन

3. (क) नानी → (i) तुरंत दौड़े और मेरी उँगली को देखा।
(ख) नाना → (ii) चीखी उठी–साँप!
(ग) मुझे → (iii) मुझे झोंपड़ी में ले गया।
(घ) बूढ़ा → (iv) जबरदस्ती बैठकर झाड़–फूँक करवानी पड़ रही थी।

4. (क) नाना बच्चे को लेकर एक झाड़–फूँक करने वाले बूढ़े के पास पहुँचे।
(ख) बच्चे ने अहाते में एक छोटा–सा साँप रेंगते देखा।
(ग) नाना ने बच्चे को साँप के पास जाने से मना किया।

5. (क) हाँ, मैंने एक साँप देखा है। वह हमारे घर के पास था। उसे देखकर मैं बहुत डर गया।
(ख) बच्चे ने पत्थर के टुकड़े से नारियल का खोल बंद कर दिया। बच्चे ने साँप को उसमें बंद इसलिए किया जिससे वह बाहर न आये।
(ग) हम बच्चे को नादन कहेंगे; क्योंकि वह साँप के जहरीलेपन से अंजान था। वह नहीं जानता था कि साँप खतरनाक होता है।

6. (क) (i) नानी चीख उठी साँप!
(ii) साँप धीरे–धीरे रेंग रहा था।
(iii) क्या तुम बाजार चलोगी?
(iv) चुपचाप बैठो। हिलना डुलना मत।
(v) तुम्हें यह कहानी कैसी लगी?
(vi) अहा! कितनी मीठी है।
(ख) घर से संबंधित शब्द—
अहाता, आँगन, बरामदा, जीना, अटारी, आला, सीढ़ी, छत, रसोई, छज्जा, दालान, टाँड, कमरा, मुँडेर।

(ग) (i) साँप पास की झाड़ी में छिप गया।
(ii) वह तुरंत मुझे गोद में उठाकर भागे।
(iii) अब बच्चे को कोई खतरा नहीं है।
(घ) सम्प्रदान कारक
(ङ) नीला
(च) एकवचन, पुल्लिग

7. (क) जीव जंतु हमें नुकसान पहुँचा सकते हैं।
(ख) सच बोलने से आत्मविश्वास उत्पन्न होता है और व्यक्ति दूसरों के विश्वास का पात्र बना रहता है।

8. स्वयं कीजिए।

9. (i) हम लोहे की किसी चीज से उस भाग को रगड़ देंगे या उसकी प्राथमिक चिकित्सा करेंगे।
(ii) हम उसकी प्राथमिक चिकित्सा करेंगे। चोट लगे भाग को डिटॉल वाले पानी से धोकर उस पर मलहम लगा देंगे। जरूरत के मुताबिक उस पर पट्टी भी बाँध देंगे।
(iii) आँख में साफ पानी की छींटे भी मारेंगे।
(iv) उसे पीठ के बल इस तरह लेटा देंगे कि उसका सिर नीचे की ओर झुका रहे। नाक को गीले कपड़े से ढँक देंगे।

❑

13. सर्दी आई

❑ Worksheet

1. (क) (iii) लाल (ख) (ii) बेदर्दी (ग) (iii) सिकुड़ी

2. (क) वर्दी (ख) ठिठुरन (ग) बिस्तर

3.
(क) सबने	(iii) लादे ढेर से कपड़े
(ख) चाहे	(i) दुबले, चाहे तगड़े
(ग) पैर	(iv) में सर्दी, सर में सर्दी
(घ) बिस्तर	(ii) के बाहर भी सर्दी

4. (क) सबने ढेर सारे कपड़े लादे।
(ख) जाड़ा बेदर्दी मौसम है।
(ग) लोग सर्दी में दौड़ने से हाँफ रहे हैं।
(घ) धूप में दौड़े तो भी सर्दी लग रही है।

5. (क) सर्दी में लोग ढेर सारे कपड़े लादते हैं।
(ख) ठंड इतनी पड़ रही है कि ठंड से अंडे की जर्दी भी जम जाये। ठंड बहुत है यही कवि का अभिप्राय है।

6. (क) विशेषण हैं।
(ख) सम्बन्ध कारक और वर्दी संज्ञा है।
(ग) सबकी

7. (क) इससे भाईचारा बढ़ता है और ठंड दूर होती है। यह गरीब लोगों के मध्य सहयोग को दर्शाता है।
(ख) गरीबों को ठंड से बचाने के लिए यह सही है। यदि लोग ऐसा न करें तो बहुत से गरीब ठंड से मर जाएँगे। मानवता के हित में यह कार्य उचित है।

8. (क) स्वयं कीजिए।
(ख) स्वयं कीजिए।

❑

14. मूस की मजदूरी

❑ Worksheet

1. (क) (iii) धान (ख) (i) पोखरी के बीच में
(ग) (iii) मूस ने (घ) (i) मूस ने

2. (क) हिस्सा (ख) गहरे (ग) आदमी (घ) मूस

3. (क) बालियाँ → (iii) ठहरा छोटा जीव
(ख) मैं → (i) तुम्हें मेहनताने का हिस्सा देंगे
(ग) हम → (ii) ने ऐसा ही किया
(घ) आदमी → (iv) झूम-झूमकर जैसे आदमी को बुला रही थीं

4. (क) मूस बालियों को दाँतों से कुतरने लगा।
(ख) मूस आज भी अपने हिस्से का थोड़ा धान घर से खा लेता है।
(ग) धान की बालियाँ जैसे झूम-झूमकर आदमी को बुला रही थीं।
(घ) आदमी सारा धान अपने घर ले गया।

5. (क) मूस के तैरने की क्षमता और तेज दाँत जिनसे वह एकत्र कर सका।
(ख) आदमी, मूस को मजदूरी देना चाहता था।

6. (क) सम्प्रदान कारक है।
(ख) मेहनताने का अर्थ पारिश्रमिक है।
(ग) मैं (सर्वनाम) व छोटा (विशेषण) है।

7. (क) ये मानवता और सार्वभौमिक अधिकारों की दृष्टि से भी उचित है अतएव प्रत्येक व्यक्ति को उसके परिश्रम का उचित फल मिलना चाहिए इससे समाज में शान्ति और भाईचारा बना रहता है।
(ख) किसी व्यक्ति में कोई योग्यता दूसरे में दूसरी योग्यता होती है; जैसे कोई बढ़ई मेज बना सकता है और कोई लुहार कीलें बना सकता है जो मेज में लगे इसके

सहयोग से मेज तैयार हो जाती है। वही सड़क हो, इमारत हो या बाँध लोगों के सहयोग से बन जाते हैं।

8. (क) स्वयं कीजिए।
(ख) स्वयं बनाइए।

❑

15. कहानी की कहानी

❑ **Worksheet**

1. (क) (ii) कई सौ साल पहले (ख) (iii) पत्तों या पत्थर पर
(ग) (iii) पंचतन्त्र

2. (क) पसंद (ख) पेंसिल (ग) खजूर (घ) कलम

3. (क) इसी तरह → (i) पंचतंत्र की एक कहानी
(ख) स्याही → (ii) कहानियों का यह सिलसिला आगे बढ़ता
(ग) लोगों → (iii) भी खुद घर पर बनाते थे
(घ) यहाँ → (iv) ने बहुत मेहनत से इन्हें लिखा

4. (क) खजूर के पत्तों को तेल से नरम करते थे।
(ख) आज हम पोथियों को सँभालकर रखते हैं।
(ग) पोथी का नाम पंचतन्त्र रखा।

5. (क) कोई आवाज बदल-बदलकर सुनाता। कोई आँखें मटकाकर। कोई हाथ के इशारों, कोई गाकर और कोई नाचकर कहानी सुनाता।
(ख) लिखने के लिए पक्षी के पंख की कलम या बाँस को नुकीला बनाकर लिखते थे।

6. (क) सर्वनाम—वे और हम, कारक—कारक प्रयुक्त नहीं हुआ है।
(ख) तेल, व कहानी (संज्ञा) एवं और (समुच्चयबोधक) है।

7. (क) कहानियों से जीवन के मूल्यों की शिक्षा मिलती है। ये मूल्य ही जीवन को सत्पथ पर डालते हैं। हमें समाज में प्रतिष्ठा दिलाते हैं। हाँ, हम उन्हें जीवन में अपनाते हैं।
(ख) कहानी सुनाकर वे उस कहानी की शिक्षा को जीवन में ग्रहण करने की अपेक्षा रखते हैं।

8. (क) स्वयं कीजिए।
(ख) स्वयं कीजिए।

❑

अर्द्धवार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

(अध्याय 1 से 7 तक)

1. (क) (i) नीम (ख) (ii) हाथी ने
(ग) (iii) कक्कू (घ) (ii) घास में
(ङ) (ii) बंदर

2. (क) कवि अपनी मूँछ बढ़ाना चाहता है।
(ख) काला बादल आसमान से गुजरा।
(ग) मक्खी मकड़ी के जाल में फँस गई।
(घ) बाघ टिपटिपवा के कारण घबराया हुआ था।
(ङ) हमारे झगड़े का फैसला पिताजी करते हैं।
(च) दोनों बिल्लियों के बीच रोटी पर हक का झगड़ा था।

3. (क) अकड़ (ख) मूँछ (ग) लाल

4.

(क) कच्चे आम	(i) से काला बादल गुजरा
(ख) आसमान	(ii) की सब्जी भी बनाएँगे
(ग) केले	(iii) का तेल साबुन और कितनी चीजें
(घ) गोले	(iv) से अचार बनाएँगे

5. (क) पास-दूर (ख) मुश्किल-आसान
(ग) राजा-रंक (घ) पागल-समझदार
(ङ) ऊपर-नीचे

6. (क) छत के ऊपर जाकर मैं थक गया।
(ख) मेरे पास पेन नहीं है।
(ग) बड़ों व गुरुजनों को प्रणाम करना हमारा कर्त्तव्य है।
(घ) जंगल का राजा शेर होता है।

7. स्वयं कीजिए।

❑

वार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

(अध्याय 8 से 15 तक)

1. (क) (iii) रंगाई की (ख) (ii) बाजार (ग) (ii) लाल मिर्च
(घ) (ii) इंग्लैण्ड (ङ) (iii) नीला

2. (क) सेठ ने किसी भी रंग में कपड़ा रंगने को नहीं कहा।
(ख) रास्ते में गुरुजी को क्योंजीमल और कैसे-कैसलिया मिले।

(ग) मिर्च खाने के बाद काबुलीवाले का मुँह जल गया और आँखों से पानी निकल आया।

(घ) गाँव के लोगों ने अन्ततः बाघ को कैद करने का तय किया।

(ङ) जाड़ा शीतकालीन मौसम है यह भारत के उत्तरी भाग में नवम्बर के मध्य से शुरू होता है और फरवरी तक रहता है।

(च) मूसा बालियों को दाँतों से कुतरने लगा।

3. (क) बिल्कुल (ख) इरादा (ग) प्रतिभा (घ) ऊँची
(ङ) जलन (च) विशेष

4. (क) नमक (ख) आटा (ग) पानी (घ) आग

5. (क) लाल मिर्च को → (iv) देख गया भर उसके मुँह में पानी
(ख) कुँजड़िन से बोला → (i) बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझाकर
(ग) और → (ii) सेर भर लाल मिर्च से भर दी उसकी झोली
(घ) काबुल का मर्द → (iii) लाल छीमी से क्यों मुख मोड़े

6. (क) शहर (ख) नदियाँ
(ग) पेड़ (घ) खाद्यान्न या अनाज

❑